I

DATE
PAGE

निबन्ध प्रतियोगिता

भारतीय मानक ब्यूरो क्लब

रा. उ. मा. विद्यालय पुर

Topic – स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत

विषय :- भारतीय मानक स्वच्छ भारत स्वच्छ भारत को कैसे विकास की दिशा मे आगे बढा सकते है–

Name – Khushi Teli
Class – 12th
Date – 19/9/24

प्रस्तावना :- स्वच्छता हमारी जिम्मेदारी है। हर व्यक्ति का दयान्वि दायित्व की हम अपने आस-पास साफ-सफाई रखे। स्वच्छता हमारी संस्कृति से भी जुडी हुई है। आज देश मे हर त्यौहार के पूर्व साफ-सफाई की जाती यह सन्देश देता है कि देवता साफ जगह पर निवास करते है। महात्मा गाँधी राष्ट्र पिता कहते थे कि 'स्वच्छता ही सेवा', स्वच्छता से ही व्यक्ति का विकास तथा देश का विकास सम्भव है।

स्वच्छ भारत स्वच्छ भारत का उद्देश्य :- स्वच्छता से हमारा तात्पर्य साफ सफाई के साथ रहना है। व्यक्ति अपने आप को तथा आस पास को स्वच्छ रखे तथा सामुदायिक स्वच्छता अपना योगदान है। देश मे हर जगह साफ-सफाई रखना हमारा प्रथम कर्तव्य है।

(1) IS – 16289 / 2014 फेस मास्क

हमारे देश मे कुछ वर्ष पूर्व एक घातक बिमारी आई जिसने दुनिया को चपेट मे ले लिया था इस समय हमे

इन बिमारियों से बचने के लिए भारतीय मानक ब्यूरो ने एक फेस मास्क का निर्माण किया जो व्यक्ति या लोगों को बिमारियों से बचाने के लिए एक अहम भूमिका निभाता है। जिसमे इन उपयोग किया जाता फेस मास्क का इस्तेमाल अनेक बिमारियों - सर्दी, जुकाम आदि होने पर इस्तेमाल किया। यह भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा / ए बनाया गया जिससे अनेक लोग अपने जीवन जीने मे सहायक रहा है।

② IS 2491 / 2013 - भोजन की स्वच्छता और गुणवत्ता के लिए

भारतीय मानक ब्यूरो ने तय किया है एक पैकट भोजन को कितने दिनों तक रहता है। इन्होने पैकट मे मिलाने वाली गैस की एक नियत तय कर रखी जिससे व्यक्ति को स्वच्छ और उच्छ / उच्च गुणवत्ता वाला भोजन प्राप्त हो सके स्वच्छ भोजन प्राप्त होने से व्यक्ति भी स्वस्थ रहेगा जिससे देश आगे बढ़ेगा और पहचान प्राप्त कर सकेगा।

③ IS - 14543 / 2016 - भारतीय मानक ब्यूरो ने पैकड पेय जल के लिए

व्यक्ति को जीवन व्यतीत करने के लिए सबसे आवश्यक होता है जल बिना जल के व्यक्ति जीवन नही रह सकता है हम बाहर अन्य स्थानों पर जाते तब हम बंद पानी की बोतलों का इस्तेमाल करते है व्यक्ति को अच्छी / स्वच्छ पानी चाहिए होता है इसलिए भारतीय मानक ब्यूरो ने एक तय सीमा रख रखी कितनी पानी भरा जायेगा।

④ IS - 5405 / 2019 महिलाओ के लिए सैन्टरी नैपकिन

महिला को महावारी मे आवश्यक की चीज सैन्टरी नैपकिन होती है लेकिन महिलाएँ निम्न वर्ग होने के लिए कारण

सैन्टरी नैपकिन खरीद नही सकती जिसके कारण उन्हें गन्दे कपडो का इस्तेमाल करना पडता है जिससे अनेक बिमारियो का खतरा रहता है। इसलिए भारतीय मानव क्यूरो ने एक निश्चित पैसो मे सैन्टरी नैपकिन उपलब्ध कराने की कोशिश की।

उपसंहार :- व्यक्ति को अपने आस - पास स्वच्छता रखनी चाहिए जिससे व्यक्ति का विकास सम्भव है। और मनुष्य अपने देश ~~की~~ मे पहचान बना सकेगा।

स्वच्छता है जरूरी,
इसे ना समझे मजबूरी।

स्वभाव ही स्वच्छता
है संस्कार ही स्वच्छता।

11

DATE
PAGE

:- निबन्ध प्रतियोगिता :-

:- भारतीय मानक ब्यूरो क्लब :-
रा. उ. मा. वि. पुर

:- TOPIC :- स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत :-

विषय :- भारतीय मानक स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत को कैसे विकास कि दिशा मे आगे बढ़ सकता है।

Name ⇒ Anjali Mali
Class ⇒ 12th
Date ⇒ 19 | 9 | 24

प्रस्तावना ➡ भारतीय मानक ब्यूरो ने स्वच्छ भारत को 1986 मे महत्व देना प्रारम्भ किया था। स्वच्छ भारत अभियान 2 अक्टू. 2014 मे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महात्मा गांधी के 145 वे जन्मदिन पर दिल्ली के वाल्मीकी बस्ती मे झाड़ु लगाकर स्वच्छ भारत व स्वस्थ भारत अभियान की शुरूआत की थी। इसके तहत हमे अपने घर के आस-पास व सड़को को स्वच्छ रखना है।

स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत का उद्देश्य ➡ स्वच्छ भारत से अभिप्राय यह है की यदि हम भारत को स्वच्छ व साफ सुथरा रखेगे तो हम व हमारे आस-पास के व्यक्ति भी स्वस्थ रहेगे। भारत को स्वच्छ रखने के लिए हमे कचरा के इकट्ठा नही करना है और भारत को स्वस्थ व स्वच्छ बनाना है।

① भारतीय मानक ब्यूरो के तहत IS 9491/2013 भोजन की स्वच्छता और गुणवता ➡

मानक ब्यूरो मे भोजन का स्वच्छ व रखना है यदि भोजन अशुद्ध होगा तो हम बिमार हो जायेंगे इसलिए हमे शुद्ध व ताजा भोजन का हि सेवन करना चाहिए। बाजार मे पैकिंग का भोज्य पदार्थ आता है जो हमारे स्वास्थ के लिए खराब है। मानक ब्युरो ने स्वास्थ भोजन के लिए अनेक अभियान या योजनाएँ चलाई है। हमारा भोजन स्वास्थ होगा तभी हम स्वास्थ होंगे। इसलिए हमे स्वास्थ भोजन हि ग्रहण करना चाहिए।

② भारतीय मानक ब्युरो के तहत IS 16289/2014 फेस मास्क के उपयोग ➡

भारतीय मानक ब्युरो ने फेस मास्क के उपयोग के बारे मे बताया है की यदि हम फेस मास्क का उपयोग करते है तो हम अनेक बिमारियो से बच सकते है या दुसरे को बिमार होने से बचा सकते है। यदि किसी व्यक्ति को खासी, जुखाम जैसी कोई बिमारी है तो वह मास्क का उपयोग करके दुसरो को ~~स्वस्थ~~ इफेक्टीव होने से बचा सकता है।

③ भारतीय मानक ब्युरो के तहत IS 15270/2008 प्लास्टिक बेग्स की रिसाइक्लिगं ➡

भारतीय मानक ब्युरो ने बताया की हम जीस तरह प्लास्टिक की पॉलिथन, बेग्स आदि को जिस तरह से उपयोग करते है इस तरह हमारे आस पास सभी जगह पर प्लासीटिक का

कचरा पड़ा रहता है यह कचरा नालियों मे जाकर फस जाता है जिससे पानी का बहाव रुक जाता है और सड़को पर पानी भर जाता है हम प्लास्टिक को राइसाइकिलग करके इस को फूनः इस्तमाल मे ले सकते है और भारत को स्वच्छ बना सकते है।

उपसंहार ➔ भारत स्वच्छ रहेगा तभी हम स्वस्थ रहेंगे। हमे अपने आस - पास सभी जगहो को स्वच्छ रखना चाहिए कछरा, कचरा पात्र मे हि डालना चाहिए।

स्वच्छ भारत
स्वस्थ भारत

AnyScanner

भारतीय मानक ब्यूरो
राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, पुर (भीलवाड़ा)

Subject

Topic → स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत

Date: / /

• निबन्ध प्रतियोगिता → भारतीय मानक [स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत]

नाम → बाबू लाल प्रजापत

कक्षा → 12th Arts

"स्वच्छता का रखना हमेशा ध्यान,
तभी तो बनेगा हमारा भारत महान्"

(1) प्रस्तावना → साफ सफाई हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण पहलू है यह हमारे जीवन की प्राथमिकता भी है स्वच्छता जरूरी है क्योंकी साफ सफाई से हम जीवन मे आने वाली कई परेशानियों से मुक्ति पा सकते है। स्वच्छता का अर्थ है सफाई से रहने की आदत। सफाई से रहने से जहाँ शरिर स्वस्थ रहता है, वही स्वच्छता तन और मन दोनो की खुशी के लिए आवश्यक है, स्वच्छता सभी लोगो को अपनी दिनचर्या मे अवश्य ही शामिल करना चाहिए।

(2) भारतीय मानक ब्यूरो का गठन → भारतीय मानक ब्यूरो का गठन वर्ष 1947 मे हुआ। और संवैधानिक निकाय वर्ष 1986 मे बना और स्थापना भी इसी वर्ष हुई। भारतीय मानक ब्यूरो का उद्देश्य उपभोक्ता के अधिकारो का संरक्षण करना व अपशिष्ट को कम करने में प्रयासरत है।

⊙ भारतीय मानक ब्यूरो के अनुसार Recycling के लिए निम्न मानक है →

(1) IS 17423/2021 → यह मानक कोरोना वायरस से ग्रसित लोगो के लिए एक किट उपलब्ध कराता है। जिसे PPE कीट कहते है। इस कीट से वायरस का संक्रमण नही होता है। व व्यक्ति को किसी प्रकार से हानि नहीं होती है।

(2) IS/1453/2016 → यह मानक के अनुसार पैकड वॉटर जो कई दिनो तक बन्द रहता है जिसके निस्तारण

AnyScanner

के लिए मानक तैयार करता है।

③ IS 2491/2013 → इस मानक के अनुसार भोजन की स्वच्छता और गुणवत्ता के लिए उचित नीति उपलब्ध कराता है। इस मानक के अनुसार हमेशा पौष्टिक भोजन आहार करना चाहिए।

2) स्वच्छता का महत्व → अभी कोरोना काल में रोगियों की बढ़ती जनसंख्या एक अस्पतालों मे साफ-सफाई को ध्यान देने की आवश्यकता से यह बात और भी स्पष्ट हो गई है की जीवन मे स्वच्छता की कितनी जरूरत है। जीवन मे स्वच्छता से तात्पर्य स्वस्थ होने की अवस्था से भी है। स्वच्छता से एक अच्छी आदत है जो हमारे जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाती है। यह हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण अंग है। हमारे लिए शरीर की स्वच्छता भी बहुत जरूरी है जैसे - रोज नहाना, स्वच्छ कपडे पहनना, दांतो की सफाई करना, नाखुन काटना आदि। इसके लिए प्रतिदिन हमें सुबह जैसे ही सोकर उठते हैं, अपने दांतो को साफ करना चाहिए। साथ ही स्नान आदि और दैनिक क्रियाओं को समय पर पूर्ण करना चाहिए।

3) स्वच्छ भारत अभियान → प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा स्वच्छ भारत अभियान 2 अक्टूबर 2014 को महात्मा गांधी की 145 वीं जयन्ती पर चलाया गया एक महत्वपूर्ण अभियान है। यह अभियान दिल्ली से शुरू होकर किया गया। यह एक राष्ट्रीय स्तर का अभियान है और भारत सरकार द्वारा चलाया जा रहा है। स्वच्छ भारत मिशन के अन्दर कई योजनाएँ शामिल की गई, जिसमे ग्रामीणों के घरो मे शौचालय निर्माण प्रमुख है। जिसमे लोग आस-पास की स्वच्छता का महत्व समझेंगे और वातावरण को स्वच्छ रखेंगे।

(4) अस्वच्छता से हानियाँ → जब लोग ऐसे स्थानो पर रहते है जहाँ पर चारो तरफ कूड़ा- कचरा फैला होता है और नालियों मे गंदा पानी और सड़ती हुई वस्तुएँ पड़ी रहती है। जिसकी वजह से उस क्षेत्र मे बदबू उत्पन्न हो जाती है; वहाँ से गुजरना भी बहुत मुश्किल हो जाता है ऐसे स्थानों पर लोग अनेक बीमारियों से ग्रस्त हो जाते है। वहां की गंदगी से जल, थल, वायु आदि पर बहुत ही विपरित प्रभाव पड़ता है।

(5). उपसंहार → देश मे स्वच्छता रखना केवल सरकार का ही नही अपितु सभी का कर्तव्य है। देशवासियों को मिल-जुल कर स्वच्छता के प्रति अपने कर्तव्य को निभाना चाहिए। समाज मे सभी सदस्यो को आस-पास की सफाई मे अपना योगदान देना चाहिए। नदियो, तालाबो, झीलो और झरनो के पानी मे गंदगी हो जाने से रोकने के लिए सभी को अपना योगदान देना चाहिए।

□□□

भारतीय मानक ब्यूरो

रा० उ० स मा० वि० पुर

भारतीय मानक स्वस्थ भारत और स्वच्छ भारत

भारत को कैसे विकास की दिशा में आगे बढ़ा सकते हैं

निबंध प्रतियोगिता

नाम :- सिद्धार्थ गौरव   दिनांक :- 19/9/24

कक्षा :- 10th - B

स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत

रूपरेखा -
1. प्रस्तावना
2. उद्देश्य
3. दूषित धरती
4. स्वस्थ कैसे रहें
5. स्वच्छता रखने के तरीके
6. उपसंहार

1. प्रस्तावना - कुछ सालों पहले की धरती देखो तो उसकी सुन्दरता का कोई मुकाबला नहीं था। वो नदियाँ, वो पहाड़, वो भूमि, वो आसमान, वो हरियाली, देखो तो नज़र ही नहीं हटती। इसका सौन्दर्य किसी को भी अपनी ओर आकर्षक कर सकता है। लेकिन अफसोस अब वैसा पर्यावरण नहीं रहा है।

2. उद्देश्य - भारतीय मानक ब्यूरो आज की इस दुनिया को स्वच्छ बनाने के लिए और चीज़ों की शुद्धता की जाँच करती रहती है। ताकि सब लोग स्वस्थ बने रहे और पर्यावरण को कोई हानि ना हो, इसलिए कुछ मानक लागू किये गये है।

मानक

1. IS - 15270/2008 - यह मानक प्लास्टिक अपशिष्ट के री-साईकिलिंग के लिए 2008 में निर्धारित किया गया था। ताकि प्लास्टिक जैसा पदार्थ जिसको डी-कम्पोस्ट होने में काफी समय लगता है। प्लास्टिक जैसे पदार्थ को री-साईकिल करने के लिए यह मानक को निर्धारित किया गया।

2. IS - 16557/2016 - यह मानक सोलिड वेस्ट का प्रबंधन करने के लिए निर्धारित किया गया। ताकि शोलिड वेस्ट को कम ठीक तरीके से एक स्थान पर रखा जा सके।

3. दूषित धरती - यह धरती आज बहुत ही ज्यादा दूषित हो गयी है। क्योंकि लोग जागरूक नहीं होते है। और अपना स्वार्थ पूरा करते है कुछ भी खाने के बाद उसका अपशिष्ट पदार्थ फेंक देते है। सारा कचरा ज़मीन, पानी आदि पर फेंक देते है। और पर्यावरण को नुकसान पहुँचाते है।

4. स्वस्थ कैसे रहें - स्वस्थ रहने के लिए हमेशा अपनी आस-पास की जगह को साफ रखना चाहिए और योगा-कसरत, तली-भूनी व खाद्य को चीजों को कम खाना चाहिए। हर चीज़ की गुणवत्ता देख कर ही इस्तेमाल करें।

5. स्वच्छता रखने के तरीके - स्वच्छता अपने दिल से रखो और कुछ तरीके जिसे अपनाने से स्वच्छता मे अपना योगदान कर सकते।

1. रोज़ कसरत - योगा करे।
2. रोज़ नहाये।
3. अपने नाखुन को साफ रखे।
4. जगहों को साफ रखें।
5. अच्छे हाईजीन को फोलो करे।

6. उपसंहार - धरती को साफ रखना ही हमारा पहला कर्तव्य है। हमेशा चीजों को देखकर और उनको जाँच कर के ही उन्हें इस्तेमाल करें। स्वच्छता और स्वस्थता ही सर्वश्रेष्ठ नारा है।

AnyScanner